



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-06-2025

कानपुर-नगर(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-07	2025-06-08	2025-06-09	2025-06-10	2025-06-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	43.0	44.0	45.0	45.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	29.0	30.0	31.0	31.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	43	34	31	32
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	25	20	20	22
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	9	14	15	15
पवन दिशा (डिग्री)	315	258	304	305	302
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	1	0	0	0
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले दो दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे तथा शेष दिनों में मौसम साफ रहेगा, बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 39.0-45.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 3-4°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-31.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 31-52 तथा 20-40% के मध्य रहेगी। हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम रहेगी तथा हवा की गति 2.0-15.0 किमी प्रति घंटा रहेगी, तथा हवा के झोंके सामान्य से 6-8 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा खरीफ मक्का की बुवाई व धान के नर्सरी के लिए मौसम अनुकूल है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि मक्का, उर्द /मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दाने को संरक्षित करें एवं खरीफ मक्का, धान के नर्सरी की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। पशुओं को पेड़ के नीचे न बांधें। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों का छिड़काव न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मक्का, उर्द /मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दाने को संरक्षित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई के लिए खेतों की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
चावल	धान की नर्सरी डालने के लिए खेतों की तैयारी करे, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359 , नरेंद्र धान-2026 , नरेंद्र धान-2064 , नरेंद्र धान-2065 , नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्म- प्रो.एग्रो -6444 (2001)एराइज , प्रो.एग्रो -6201 (2001)एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31,27 पी 37, 28 पी 67 , आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2 , यू.एस.-312 , आर.एच. -312, आर.एच. -1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4 , नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1,नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008 , सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था कर नर्सरी डालें। धान के बीजों की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत में हल्की सिंचाई करे ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जाय।
मक्का	मक्के की परिपक्व भुट्टों की तुड़ाई का कार्य रुककर करें तथा तोड़ी गई भुट्टों को एकत्र कर छाये दार स्थान पर सुरक्षित करें। मक्के की फसल भुट्टा बनने /दाना भरने की अवस्था में चल रही है, जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील है, आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। मक्के की फसल में तना छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 25 % ईसी 2.0 लीटर/हेक्टेयर अथवा डाइमेथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 700-800 लीटर पानी में घोल बनाकर आसमान साफ होने पर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द /मूँग की फसल फली बनने की अवस्था में चल रही है, जो नमी की कमी के प्रति संवेदनशील है, आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। उर्द/मूँग की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसकी रोकथाम के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी 220 ग्राम/ हेक्टेयर या डायमेथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर आसमान साफ होने पर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के पौधों की नर्सरी /बुवाई करें। बैंगन, मिर्च , अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरौई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय है। जायद कद्दू, लौकी, तरौई,करेला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डों की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ा की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ा की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा खरीफ मक्का की बुवाई व धान के नर्सरी के लिए मौसम अनुकूल है।
--

Farmers are advised to download Unified  Mausam  and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details